दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 04.07.2020

समाचार स्वरूप प्रकाशनार्थ

गुणवत्ता हमेशा नवाचार से ही निकलती है : डॉ. राजशरण शाही

04.07.2020 गोरखपुर। शैक्षिक जगत में प्रत्येक नया सत्र एक नये शुरूआत का आह्वाहन करता है। नया सत्र, नयी परिस्थितियों ने नयी दृष्टि से और नयी योजना के साथ कार्य करने का एक अवसर प्रदान किया है। गुणवत्ता की वास्तविक पहचान विपरीत परिस्थितियों में ही होती है। गुणवत्ता हमेशा नवाचार से ही निकलती है प्रतिकूलता को अनुकुलता में परिवर्तित करना ही वर्तमान का युग धर्म है। स्वामी विवेकानन्द की पुण्य तिथि के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम शिक्षा को नये सन्दर्भों में समझने का मार्ग प्रशस्त करेगा। स्वामी जी कहा करते थे कि गति ही जीवन है रूक जाना मृत्यु है। उक्त बातें दिग्विजयनाथ पी.जी.कालेज के आई.क्यू.ए.सी. और नैक स्टीयरिंग कमेटी द्वारा स्वामी विवेकानन्द की पुण्य तिथि पर आयोजित बैठक में आई. क्यू.ए.सी. के संयोजक डॉ. राजशरण शाही जी ने कहा। समारोह में सांस्कृतिक विभाग के द्वारा स्वामी जी के चित्र पर पुष्पांजलि कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया।

इस समारोह में डॉ.गीता सिंह, डॉ.शशि प्रभा सिंह, डॉ.शुभ्रा श्रीवास्तव, डॉ.विवेक शाही, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. नीरज कुमार सिंह, डॉ.पवन कुमार पाण्डेय तथा डॉ. अमरनाथ तिवारी ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय के शैक्षणिक व शिक्षणेत्तर गतिविधियों को गति प्रदान करने हेतु सुझाव दिये। सत्र 2020–21 में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया तथा ऑनलाइन शिक्षण के लिए तैयारी प्रारम्भ कर दी गयी है। समितियों का गठन व दायित्व वितरण का कार्य भी 01 व 02 जुलाई की बैठक में किया गया है। प्रत्येक आवश्यक गतिविधि को सक्रियता प्रदान करने के लिए 07 जुलाई से लेकर 10 जुलाई 2020 तक पूर्वाह्न व अपराह्न सत्रों में ई–कान्टेन्ट सेल कोविड–19 सेल, शैक्षिक पंचाग समिति, महाविद्यालयी पत्रिका व शोध पत्रिका समिति सहित अन्य समितियों की बैठक प्रस्तावित है।

उक्त समारोह की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने स्वामी विवेकानन्द जी के दर्शन से प्रेरित होकर वर्तमान चुनौतीपूर्ण दौर में और बेहतर करने हेतु आवाह्न किया यह भी सुझाव दिया कि हम जो भी कार्य योजना बनाये उससे अन्तिम विद्यार्थी को जोड़ने का प्रयास करें। ऐसे तरीके पर आगे बढ़ें, जिससे उस तक हमारी गतिविधियों का जुड़ाव व पहुँच हो सके। हम शिक्षक इस बात का जरूर ध्यान दें कि तय किये गये लक्ष्य तक हमें पहुँचना ही है। हमारी कथनी और करनी में विचनल न हो।

उक्त समारोह में महाविद्यालय के शिक्षक श्री धर्मचन्द्र विश्वकर्मा, डॉ. प्रतिमा सिंह, श्री पीयूष सिंह, डॉ. आर.पी.यादव, डॉ.नितीश शुक्ला, डॉ. सूरज शुक्ला, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. कीर्ति कुमार जायसवाल, श्री राकेश सिंह, श्री अजय शर्मा, श्री अश्वनी श्रीवास्तव, श्री बृजेश सिंह, श्री अरविन्द मौर्य आदि उपस्थित रहे।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क